This question paper contains **3** printed pages]

JO—100—2023

FACULTY OF ARTS

M.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

NOVEMBER/DECEMBER, 2023

(CBCS/New Pattern)

HINDI

Paper-XI

(हिंदी गद्य साहित्य : भाग-1)

(Thursday, 7-12-2023) **Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.**

Time—Three Hours *Maximum Marks*—75

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''इस शान को निभाने के लिए हमें अपनी आत्मा की इतनी हत्या करनी पड़ती है कि हममें आत्माभिमान का नाम भी नहीं रहा। हम अपने असामियों को लूटने के लिए मजबूर हैं। अगर अफसरों को कीमती-कीमती डालियाँ न दें, तो बागी समझें जायें, शान से न रहें, तो कंजूस कहलाएँ। प्रगति की जरा-सी आहट पाते ही हम काँप उठते हैं।'' 10

अथवा

''एक तुम हो कि तुम्हें जिंदगी ने तोड़ डाला है, और एक मैं था कि मैंने, जिंदगी को तोड़ा तो नहीं, पर झिंझोड़ा कम नहीं था। जिंदगी और औरत उसी आदमी का सिक्का मानती है जो झिंझोडकर फेंक दे।''

P.T.O.

(आ) ''शरीर में इतनी ताकत, लेकिन स्वभाव कैसा बच्चों सा निरीह निर्विकार! चेहरे पर हमेशा हँसी खेलती रहती, सबके साथ नम्रता से पेश आते कभी गुस्सा उनमें देखा नहीं गया, सबकी सेवा करने को सर्वदा प्रस्तुत! बच्चे उन्हें देखते ही लिपट जाते, बूढ़ी आँखें हमेशा उन पर आशीर्वाद बरसातीं, जवानों के तो वह देवता बन चुके थे।'' 10

अथवा

''हम परागराज की ब्राह्मणियाँ हैं, ऊँचे कुल की, ऊँचे गोत की, हमारे यहाँ दिन-रात पूजा-पाठ, कथा वार्ता, हम न किसी का छुआ खायँ न किसी का छिरपा पिएँ, हम किसी की चोरी करने जाएँगी। दूसरे का सोना हमारे लेखे माटी है; राम-राम, जो हमको झूठी चोरी लगाएगा उसके मुँह में कीड़े पड़ जाएँगे; उसकी सात पीढ़ी नरक में पड़ेंगी सड़ेंगी।''

2. ''गोदान' कृषक जीवन का महाकाव्य है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' आत्मकथा की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) 'बलदेव सिंह' के चरित्र पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

'धनिया' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(आ) 'बैजू मामा' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

अथवा

'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' आत्मकथा लेखन के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के **पंद्रह-बीस** पंक्तियों में उत्तर लिखिए : 5

(*i*) जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*ii*) भीष्म साहनी के साहित्य में सांप्रदायिकता को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) बनारसीदास चतुर्वेदी के रचना संसार पर प्रकाश डालिए।

(*iv*) उषा प्रियंवदा के साहित्यिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** पूर्ण वाक्य में दीजिए : 5

(*i*) जयशंकर प्रसाद का जन्म कौनसे वर्ष में हुआ था ?

(*ii*) उषा प्रियंवदा का जन्म कब हुआ था ?

(*iii*) श्रीराम शर्मा की प्रथम रचना कौनसी है ?

(*iv*) भीष्म साहनी को कौनसी रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था ?

(*v*) बनारसीदास चतुर्वेदी को साहित्य सेवा के लिए कौनसा पुरस्कार दिया गया ?

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(*i*) जयशंकर प्रसाद का अधूरा उपन्यास ..... है।

(*ii*) पं. श्रीराम शर्मा के रेखाचित्र का प्रथम संकलन ..... शीर्षक से प्रकाशित हुआ है।

(*iii*) 'सेतुबंध' के रचनाकार ..... हैं।

(*iv*) भीष्म साहनी के फिल्म अभिनेता भाई का नाम ..... है।

(*v*) 'रुकोगी नहीं राधिका' ..... की रचना है।

380DAB56E180E08308B95E68D9C9EA80